विवरण

20 सेमी. से अधिक/प्रति वर्ष की दर से जल स्तर में गिरावट को दर्शाने वाले जिलों की सूची (दीर्घावधि विश्लेषणों पर आधारित)

क्र.सं.	जिला	ब्लाक	
1.	आगरा	अचनेरा	0.22
		बरौली अहीर	0.42
		बिचपुरी	0.29
		फतेहाबाद	0.37
		फतेहपुर सिकरी	0.32
		जगनेर	0.24
		जसराना	0.45
		खनौली	0.43
		खेरागढ़	0.24
		पिनाहट	0.66
		मेयान	0.22
2.	अलीगढ़	गेंगरी	0.30
		हसेन	0.25
		हाथरस	0.21
		लौधा	0.28
		तप्पल	0.30
3.	इलाहाबाद	कारा	0.57
		मंझनपुर	0.24
		मउआइमा	0.30
		नेवाड़	0.21
		बरसावन	0.51
		सिराथु	0.26
4.	आजमगढ़	तरवा	0.27
5.	बदायूं	बिनवार	0.37
		इस्लाम नगर	0.29
		उसावन	0.25
6.	बहराइच	जरवाल	0.24
		नवाबगंज	0.24
7.	बलिया	बैरिया	0.23
		गरवार	0.25
		रेवती	0.23
8.	बांदा	बावेरू	0.29
		कामासिन	0.59
		मऊ	0.43
		तिंदवारी	0.60
9.	बरेली	दरियाबाद	0.22
		हरख	0.27
10.	बरेली	दियारा	0.44
		मीरगंज	0.32
		रामनगर	0.30

पारम्परिक सिंचाई प्रणाली

2630. **श्री राज मोहिन्दर सिंह:**
श्री कपिल सिब्बल:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार गांवों में तालाबों, पोखर आदि का विकास करके देश की पारम्परिक सिंचाई प्रणाली को पुन: प्रारंभ करने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि देश में वर्षा के माध्यम से उपलब्ध जल का सिंचाई के लिए 50 प्रतिशत से भी कम मात्रा में उपयोग होने का अनुमान है; और

(ग) यदि नहीं, तो देश में सिंचाई के प्रयोजनार्थ वर्षा के जल की उपलब्धता के संबंध में सरकार का क्या आकलन है और उक्त तालाबों और पोखरों इत्यादि का विकास करके इसकी उपलब्धता को किस सीमा तक बढ़ाया जाएगा?

कृषि और जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) सिंचाई राज्य का विषय होने के कारण, राज्य सरकारें स्थानीय स्थल स्थितियों के आधार पर तालाबों, पोखरों आदि जैसी परम्परागत सिंचाई प्रणालियों के अलावा आधुनिक सिंचाई प्रणालियों को भी क्रियान्वित कर रही हैं।

(ख) और (ग) उपलब्ध वर्षा जल के 50% से भी कम जल का देश में सिंचाई के लिए प्रयोग किये जाने की संभावना है। तालाबों और पोखरों आदि का विकास करके सिंचाई के लिए वर्षा जल की उपलब्धता को बढ़ाने के बारे में कोई अलग अनुमान नहीं लगाया गया है।

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की संयुक्त जल भण्डारण परियोजना

2631. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच केन नदी के जल के बंटवारे के संबंध में सहमति न होने के कारण गंगऊ नामक स्थान पर संयुक्त जल भण्डारण परियोजना पूर्ण नहीं हो पा रही है;